शासकीय महाविद्यालय अर्जुन्दा जिला बालोद (छ.ग.)
भूगोल विभाग लघु क्षेत्र भौगोलिक अध्ययन अंतर्गत ग्राम कोंगनी का सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण पर रिपोर्ट सत्र :- 2020-21

प्रस्तावना :-

ग्राम कोंगनी शासकीय महाविद्यालय अर्जुन्दा से 13 कि.मी. पश्चिम की ओर कुंदरी मार्ग पर स्थित है। यह विकासखण्ड एवं तहसील गुण्डरदेही जिला-बालोद (छ.ग.) का प्रशासनिक भाग है। यह एक ग्राम ~~का नाम~~ पंचायत है। कोंगनी ग्राम पंचायत का एक आश्रित ग्राम भी है जिसका ग्राम का नाम मोहलाई है इस ग्राम का विधानसभा क्षेत्र गुण्डरदेही है लोकसभा क्षेत्र है। यह अर्जुन्दा थाना के अंतर्गत आता है। ग्राम पंचायत में कुल 16 वार्ड है इस प्रकार 16 निर्वाचित पंच है। 08 पंच ग्राम कोंगनी से तथा 08 पंच मोहलाई में है। शैक्षणिक सुविधा के अंतर्गत 02 ~~पूर्व माध्यमिक शाला मोहलाई से~~ तथा प्राथमिक शाला तथा एक पूर्व माध्यमिक शाला है जो कि एक प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला मोहलाई से और आंगनबाड़ी की संख्या 02 है इसमें 01 ग्राम कोंगनी से है और 01 ग्राम मोहलाई से है इस ग्राम में कुल 06 तालाब है जो कि 03 ग्राम कोंगनी के है और 03 ग्राम मोहलाई के है तालाबों से गौण सिंचाई तथा मत्स्यपालन का कार्य किया जाता है तालाबों से ग्राम पंचायत को 25000 - 30000 रू. का राजस्व प्राप्त होता है। ग्राम के राजस्व का भाग जनगणना के आधार पर निम्नानुसार है :-

ग्राम का नाम	वर्ग	पुरुष जनसंख्या	महिला जनसंख्या	योग
ग्राम - कोंगनी	अनु. जाति			
	अनु. जनजाति			
	अन्य पिछड़ा वर्ग			
	सामान्य			
ग्राम - कोंगनी	अनु. जाति			
	अनु. जनजाति			
	अन्य पिछड़ा वर्ग			
	सामान्य			

Scanned with CamScanner

03) व्यवसायिक संरचना :— जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना में प्राथमिक द्वितीयक, तृतीयक एवं चतुर्थक व्यवसाय को संलग्न जनसंख्या का अध्ययन करने पर प्रतीत होता है कि यहां पर लगभग समस्त जनसंख्या प्राथमिक स्तर के कार्य में संलग्न है। इस क्षेत्र के व्यवसाय के आधार पर परिवारों को निम्नांकित वर्गों में रखा जा सकता है।

क्रमांक	व्यवसाय का नाम	संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत
01)	कृषक	76%
02)	श्रमिक मजदूर	17%
03)	स्व. व्यवसायी	3.3%
04)	अन्य असंगठित क्षेत्र में कार्य	3.2%

उक्त तालिका से स्पष्ट है कि 76% परिवारों का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं कृषि श्रमिक का है। कृषि में प्रमुख रूप से धान की कृषि की जाती है। यहाँ पर एक फसली कृषि भी की जाती है। और दूसरे फसल में कृषि के साथ-साथ अरहर, तिलहन का भी खेती की जाती है यहाँ सिंचाई की साधन भर पुर मात्रा में है। कृषि कार्य में लगे हुए श्रमिकों का एक भाग असंगठित है तथा वर्ष भर कार्य मिलने की निश्चित होती है क्योंकि यहाँ पूरे वर्ष भर काम की कमी नहीं रहती है और कृषि कार्य के महिनों में से खेतीहर श्रमिक के रूप में एवं इसके पश्चात अन्य क्षेत्रों में भी कार्य करना चाहते हैं तो वह कार्य भी कर लेता है। कृषि कार्य में संलग्न परिवारों के जोत कर औसत आकार 1.8 एकड़ है यहाँ पर धान के अलावा जैसे - ~~मसूर~~ तिवरा, अरहर, सरसों, चना, गेहूँ का भी बुआई करते हैं। औसत उत्पादन प्रति एकड़ 20 क्विंटल अनुमानित है केवल धान का।

पिछले वर्ष का कुल उत्पादन 254 ~~क्विंट~~ क्विंटल रहा।

स्व-व्यवसायी (खुदाई-गड्ढा निर्माण) में लगे परिवार की संख्या मात्र एक है। इस प्रकार वार्ड के निवासियों का प्रमुख व्यवसाय कृषि है खेतिहर श्रमिक एवं मजदूरी है।

Scanned with CamScanner

स्वच्छता के संबंध में ग्रामवासियों के द्वारा अभिव्यक्त विचार निम्नानुसार है।

अ) सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाये।
ब) गंदे पानी की निकासी के लिए पक्की नालियों का निर्माण किया जाये।
स) सभी गलियों में बिजली का निर्माण किया जाए।
द) घरों में तथा कुछ सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ेदान रखा जाना चाहिए।

ग्राम - कोंगनी में छत्तीसगढ़ की संस्कृति के अनुकूल हि यहाँ का खान - पान, कला संस्कृति भाषा - बोल, व्रत एवं त्यौहार, वस्त्र आदि छत्तीसगढ़ की संस्कृति को मिलता-जुलता है तथा ग्राम - कोंगनी में मुख्यतः धान की खेती की जाती है तथा यहाँ पर मुख्यतः चावल को ही खाद्य सामग्री के रूप में उपयोग करते हैं तथा ग्राम - कोंगनी ग्रामीण अंचल होने के कारण यहाँ के निवासी मुख्यतः छ.ग. भाषा का ही प्रयोग करते हैं तथा यहां के अधिकांश निवासी अपनी बोल - चाल की भाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी बोली का ही प्रयोग करते हैं तथा यह क्षेत्र शहरों के निकट होने के कारण अधिकांश व्यक्ति हिन्दी भाषा का प्रयोग करते हैं तथा हिन्दी और छत्तीसगढ़ी दोनों ही भाषा का प्रयोग किया जाता है। परंतु अधिकांश व्यक्ति छत्तीसगढ़ी बोली का ही प्रयोग करते हैं।

वस्त्र :— ग्राम कोंगनी छ.ग. का एक ग्रामीण अंचल का क्षेत्र होने के कारण यहाँ पर के निवासी साधारण वेशभूषा में ही रहते हैं तथा यहाँ पर सामान्यतः अधिकांश पुरुष पेंट शर्ट का ही प्रयोग करते हैं तथा यहाँ पर महिलायें साड़ी पहनती हैं तथा आजकल छ.ग. के ग्रामीण अंचलों में मुख्यत सूती वस्त्रों का ही उपयोग बहुलता से किया जाता है तथा आधुनिकता की दौड़ में यहां के कुछ निवासी जींस तथा टी-शर्ट आदि का भी उपयोग करते हैं तथा यह क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण अधिकांश पुरुष पेंट-शर्ट का ही उपयोग करते हैं तथा महिलायें साड़ी का ही उपयोग करती हैं जो सामान्यत. सूती वस्त्रों के बने होते हैं।

व्रत एवं त्यौहार :— यहां पर के निवासी व्रत एवं त्यौहार के परिक्षेप में सामान्यतः छ.ग. के प्रमुख पर्व तथा राष्ट्रीय स्तर के त्यौहारों को बड़ी ही धुम - धाम तथा आपसी सहयोग व प्रेम भाव से मानते हैं तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यतः हरेली, पोला, कमरछठ (हलषष्ठी), दिपावली,

Scanned with CamScanner

PAPER

Name Sushmita Sahu

Class B.A. III Section

Roll No. 9103002130

School Govt College Arjunda

Scanned with CamScanner